दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 82 मुरादाबाद, 11 July 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बारिश से मची तबाही: PM मोदी ने मंत्रियों से ली जानकारी; राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से की मदद की अपील

अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को भारी बारिश के कारण बिगड़े हालात के बारे में जानकारी दी है। उन्हें बताया गया है कि स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। पूरे देश में मॉनसून सक्रिय हो गया है। इस दौरान भारी बारिश के कारण जहां देश के पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड तो वहीं मैदानी इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश से बिगड़े हालात की जानकारी ली है। उन्होंने इस बारे में वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों से बात की है। पीएमओ ने इस बारे में जानकारी दी है। पीएमओ ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को भारी बारिश के कारण बिगड़े हालात के बारे में जानकारी दी है। उन्हें बताया गया है कि स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। गृह मंत्री हालात पर रख रहे नजर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपालों के संपर्क में हैं। उन्होंने स्थितियों का आकलन करने के लिए पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी संपर्क किया है।

राहुल गांधी ने जताया दुख

इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में भारी बारिश, भूस्खलन के कारण जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मौत से दुखी हैं। उन्होंने जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य और लोगों की मदद करने की अपील की है। पूर्व पार्टी प्रमुख ने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे राहत कार्यों में अधिकारियों की मदद करें। हम सभी को मिलकर इस प्राकृतिक आपदा की कठिन चुनौतियों का सामना करना होगा। भीषण बारिश और भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोकसंतप्त परिजनों को मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की आशा करता हूं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में बिगड़े हैं हालात- गौरतलब है कि भारी बारिश ने उत्तर और पश्चिम भारत में तबाही मचा दी है। हिमाचल प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। बीते 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन, बादल फटने, घर ध्वस्त होने, पेड़ और बिजली गिरने से 34 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा 11 मौतें हिमाचल में हुईं। इसके अलावा, यूपी में 8, उत्तराखंड में 6, दिल्ली में 3, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा व पंजाब में दो-दो की जान गई। हिमाचल के मंडी में ब्यास नदी के उफान में 40 साल पुराना पुल बह गया है। दिल्ली में 41 साल बाद जुलाई में एक दिन में 153 मिलीमीटर बारिश हुई है। बारिश के चलते उत्तर रेलवे ने 17 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। 12 ट्रेनों के मार्ग बदलने पड़े हैं।

दिल्ली पर बाढ़ का खतरा मंडराया, चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही यमुना, कई झुग्गियों में घुसा पानी

उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में बारिश कहर बनकर बरस रही है। राजधानी दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। हिमाचल के मंडी में तेज वर्षा जारी है तो वहीं, हरियाणा द्वारा यमुना में एक लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से दिल्ली में बाढ़ का खतरा है। उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में मानसून की बारिश कहर बरपा रही है। कई राज्यों में बारिश से घरों को नुकसान पहुंचा है,

जिससे अब तक 22 लोगों की मौत हो गई है। उत्तर भारत में कहीं पुल ढह गया है तो कहीं मकान और सड़कें धंस रही हैं। राजधानी दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है, यहां के पॉश इलाकों तक में बीते दिन हुई भारी बारिश से अब तक पानी सड़कों पर जमा है। दिल्ली, हिमाचल और पंजाब में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल के मंडी में आज भी तेज वर्षा जारी है तो वहीं, हरियाणा द्वारा यमुना में एक लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से नदी का जलस्तर तेजी से खतरे के निशान तक पहुंच रहा है।दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर के पार पहुंचने के चलते यमुना बाजार की झुग्गियों में पानी घुस गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और अन्य सहित कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्गों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की। सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव, एनएचएआई के अध्यक्ष, डीजी रोड और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी वाली इस विशेष बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित राजमार्गों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।दिल्ली में यमुना नदी चेतावनी स्तर को पार कर गयी है। दोपहर दो बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर 204.88 मीटर रिकार्ड किया गया। नदी का खतरे का स्तर 205.33 मीटर है। दोपहर 2 बजे हथिनीकुंड बैराज से 2,13,679 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।दिल्ली सरकार में लोक निर्माण विभाग (क्क्ष्ठ) मंत्री आतिशी ने बताया कि बाढ़ को लेकर दिल्ली सरकार की पूरी तैयारी है। पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिनों में ही पानी 8-10 फूट बढ़ चुका है। अगले 24 घंटे में 10-12 फूट पानी बढ़ने की उम्मीद है। हमारा अनुमान है कि हमें करीब 30 हजार लोगों को निकालने की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए हमारी पूरी तैयारी हो गई है।दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार पहुंच गया है। यमुना में खतरे का निशान 204.50 मीटर है और दोपहर 1 बजे तक यमुना का जलस्तर 204.63 मीटर दर्ज किया गया। दोपहर एक बजे 1,90,837 क्यूसेक पानी हथिनीकुंड बैराज से यमुना में छोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने की बाढ़ व जलभराव की समीक्षा, राहत आयुक्त कार्यालय को किया अलर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अतिवृष्टि के बाद अधिकारियों को अलर्ट किया है। उन्होंने निर्देश दिया कि बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए ठोस प्रयास किए जाएं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तेज बारिश के बाद जनहित के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अतिवृष्टि के बाद अगले कुछ दिनों में प्रदेश की विभिन्न नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका है। सिंचाई एवं जल संसाधन के साथ-साथ राहत एवं बचाव से जुड़े सभी विभाग अलर्ट मोड में रहें।इस वर्ष अब तक

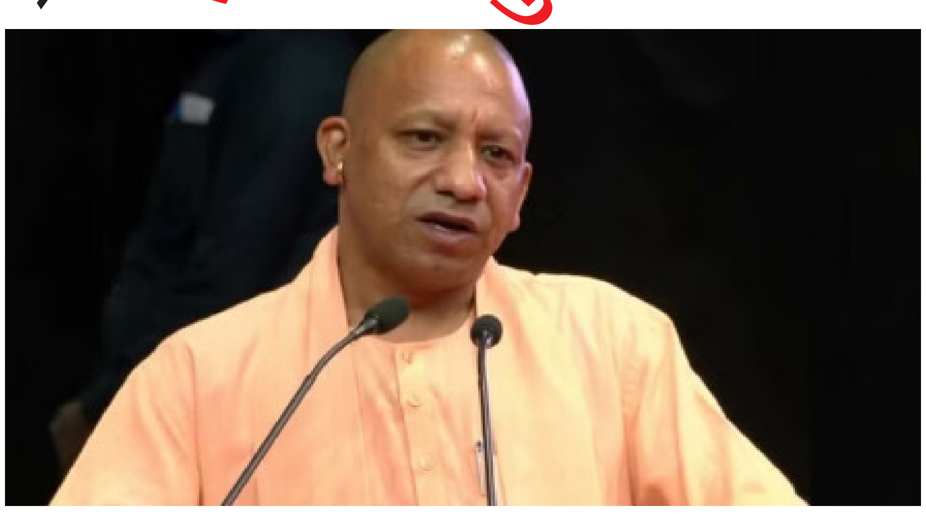

24 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जबकि 31 जिलों में औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई माह में इन जिलों में भी अच्छी वर्षा होने की संभावना है। मौसम की बदलती परिस्थितियों पर सतत नजर रखी जाए।उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों में आकाशीय बिजली से कई स्थानों पर जन-धन की हानि की दुःखद सूचना मिली है। ऐसे पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। इस वर्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। आकाशीय बिजली के सटीक पूर्वानुमान (अर्ली वार्निंग सिस्टम) की बेहतर प्रणाली का विकास जरूरी है। जनहानि/पशुहानि को न्यूनतम रखने के लिए यह जरूरी है। हर गांव में रेन गेज़ लगाए जाने की कार्रवाई में भारत सरकार भी सहयोग कर रही है, इस कार्य को तेजी के साथ पूरा किया जाए। राजस्व एवं राहत, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण, भारतीय मौसम विभाग, केन्द्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण से संवाद-संपर्क बनाएं और ऐसी प्रणाली का विकास करें, जिससे आमजन को समय से मौसम की सटीक जानकारी मिल सके। बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति पर सतत नजर रखी जाए। कई स्थानों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी देखी गई है। इसी तरह, सभी नदियों के जलस्तर की सतत मॉनीटरिंग की जाए। प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी की फलड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमों को 24म7 एक्टिव मोड में रहें। आपदा प्रबंधन मित्र, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार सहायता ली जानी चाहिए। बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए भी ठोस प्रयास जरूरी- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए भी ठोस प्रयास करना होगा। जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम जलभराव से बचाव के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार व्यवस्था करे जिलाधिकारी, क्षेत्रीय सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, नगरीय निकाय के चेयरमैन व अध्यक्ष के साथ संवाद कर जलभराव के समाधान के आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि इस वर्ष सभी जिलों में धान की रोपाई सामान्य रूप से चल रही है। अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार 58.5 लाख हेक्टेयर के सापेक्ष तक 18 लाख हेक्टेयर में रोपाई हो चुकी है। धान की रोपाई की प्रगति के अनुश्रवण के लिए डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया जाए, ताकि जिलावार रोपाई की सटीक स्थिति समय पर पता चल सके। समस्त अतिसंवेदनशील तटबंधों पर प्रभारी अधिकारी, सहायक अभियन्ता स्तर के नामित किए जा चुके हैं, यह 24म7 अलर्ट मोड में रहें। तटबन्धों पर क्षेत्रीय अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा लगातार निरीक्षण एवं सतत निगरानी की जाती रहे। बारिश के शुरुआती दिनों में रैटहोल व रेनकट की स्थिति पर नजर रखें।

तटबंधों की पेट्रोलिंग लगातार की जाए। नौकाएं, राहत सामग्री, पेट्रोमैक्स आदि के प्रबंध समय से कर लें। बाढ़ व अतिवृष्टि से पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में देर न हो। प्रभावित परिवारों को हर जरूरी मदद तत्काल उपलब्ध कराई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी यूरिया की किल्लत व कृत्रिम अभाव कतई न हो। किसानों को समय पर पर्याप्त यूरिया उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान जिन गांवों में जलभराव की स्थिति बनेगी, वहां आवश्यकतानुसार पशुओं को अन्यत्र सुरक्षित स्थल पर शिफ्ट कराया जाए। इसके लिए जनपदों की स्थिति को देखते हुए स्थान का चयन कर लिया जाए। इन स्थलों पर पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

संपादकीय Editorial

Sky havoc

The news is creating havoc of the weather, creating a picture of disaster-hit Himachal close to us. Houses, roads and the development of the state are trembling, this attitude of the executioner weather on the mountains is defaming. We do not want any tourists to come here in this season. Don't even want any disturbance on our destinations, but then in many tests together, the rain chose us and the clouds created havoc to scare us. Traveling in Himachal is not only difficult, but on every path of life, a terrifying landscape of sky emerges every time. Himachal's pain is increasing since last one week. This pain is only of Himachal which we have been facing alone for years. There may have been some mistakes, but not so wrong that the hill state should be left alone in the indifference of the weather forever. However, the loss of about five hundred crores in the last fifteen days has told the progress, trend and relevance of this state. What is the fault of that family of Kotgarh's Madhavani village, whose very existence was snatched away or what is the fault of faith in the Shrikhand Yatra where a traveler lost his modesty. In the gruesome picture of the weather of Shimla, the death of the husband, wife and son buried in the collapsing house of Madhavani is haunting, then the havoc of the rain cannot be measured considering the way the danger is increasing under the crumbling mountains. Whom to blame, where to find habitual holes in human progress or mountain development.

The scene of drowning in Una is no less than the market of Pandoh, nor is the distance reducing in the Chamba roads. Looking at the kind of potholes or rivers that are in spate, only disaster management bells can be rung or now a lot has to be learned from the history of flood-like situation. Somewhere in the priorities of the state, we are not ignoring the dreaded aspects of the weather. Are they developing against the laws of nature? We are not caught in this trouble just like that, this dispute should be considered with the mountain cover on the face of national standards. In fact, wherever the natural role of drainage has been tampered with or the instructions for development have been ignored, the daggers of the weather have emerged there.

In such a situation, the mountain will not be protected in the national consciousness only by considering it as a draft of the environment, but suitable grants are needed in the development options. Drainage of water coming out of Himachal or Himachal needs high quality management and innovation in development norms so that human settlements do justice to the nation. A national project of channelization will have to be prepared to preserve all the rivers, streams, ravines and wells in their natural form, while a national concept should be decided in support of the needs of mountain development. The mountain standards of urban and rural development are neither able to get full financial support from the policies of the central government, nor is such a model being decided where the balance of development and people's life can be safely maintained amidst the indifference of the weather. However, the common citizen also needs to understand the parable that arises with the weather. The increasing encroachment on the traditional methods of drainage and the way we are progressing the construction activities on the mountains, we often have to repent in times of disaster.

Investigation: France's riots give a lesson, the rebellion of youth incites for the destruction of their own neighborhood

Urban insurgencies in France over the past forty years have been dominated by youth anger, targeting symbols of the state and the state – such as town halls, social centres, schools and shops. It is such anger that in front of everyone incites people to destroy their own neighborhood. The recent riots in France are not surprising. These riots followed a pattern similar to that which had erupted in 1981 in the eastern suburbs of Lyon. The riots that followed are today also known as the 'Summer of Minguet', in which a young man is killed or injured by the police and violence erupts in the area and surrounding suburbs. In such a situation, any person, even your neighbor, becomes uncontrollable, as happened in the 2005 riots and is happening even today. Urban insurgencies in France over the past forty years have been dominated by youth anger, targeting symbols of the state and the state, such as town halls, social centres, schools and shops. It is such anger that in front of everyone incites people to destroy their own neighborhood. All citizens condemn such acts, but can also understand why this is happening. Elected representatives, unions, churches and mosques, social workers and teachers admit their helplessness and this creates an institutional and political vacuum. Of all such rebellions, the one that erupted in the 'Summer of Minguet' of 1981 was the only one that showed the way to a social movement. The march against equality and racism in December 1983 was a result of this. More than one lakh people participated in it and the media gave it a prominent place. It was the first exhibition of its kind in France. After this, till now no such movement has been seen emerging. In every riot, politicians are ready to play the same old stereotyped roles. The right wing condemns violence, stigmatizing neighborhoods and police victims, the left wing condemns injustice and promises social policies. In 2005, the then Minister of the Interior, Nicolas Sarkozy, stood by the side of the police. Emmanuel Macron, the current French president, has expressed sympathy for the boy killed by police in Nanterre, but politicians and the president are hardly heard in the neighboring areas concerned. We remain silent until the society at large begins to rediscover the problems of Bonniely (a suburb of France) and the police here. There are some simple lessons to be learned from the recurring riots and their scenarios in urban areas of France. The first is that the country's urban policies miss their goals. In the last forty years a lot of efforts have been made for housing and facilities. Apartments are of better quality, social centre, schools and colleges are there, public transport is there. On the other hand, the social and cultural diversity of disadvantaged suburbs has declined. Most people are poor or economically insecure and are either the descendants of immigrants or are immigrants themselves. Firstly, those who can leave early Bonlieu are given opportunities and resources and this is only done when poor people from faraway places are resettled there. Due to the environment created in this way, where the conditions are improving, the social conditions are also getting better. While people may not be willing to talk about underprivileged neighborhoods, there is a social process at work that can actually be seen in a ghetto, where there is a growing gap between neighboring neighborhoods and their environment. Clear, but this colony is strong and self-controlled from within. Despite the cash and the goodwill of the local representatives, people feel excluded from the society just because they have different origins, culture or religion. Even after the work of social policies and representatives, the settlements do not have their own institutional or political resources. While often communist-led suburbs have benefited greatly from strong support from left-leaning political parties, trade unions and popular education movements, today's suburbs rarely have leaders of their own to speak up. Social activists and teachers There is no dearth of goodwill, but most people do not live where these people work. This distance works both ways and riots in the past have shown that elected representatives and associations have no grip on settlements where people feel destitute. Appeals for peace are being ignored. This rift is not only social but also political. We are increasingly seeing youth fighting with the police. Both the groups are acting like 'gangs' with their own hatreds and territories. In such a state legal violence and the youth are confined within the ambit of their actual or potential crime. The police are being treated as mechanically racist on the basis that any youth is prima facie a suspect. Young people hate the police, this leads to police racism and youth violence. Such a war is usually played at a very low level. When a young man is killed, everything explodes everywhere. But this time there is something new in such a sad repetition. The first is the rise of the right wing, which is closely related to the political scene. It is not only on one side. Racist causes of insurgency are increasingly emerging, talking of vandalism and immigration, and there are fears that this could lead to electoral success. Second, the political left has been paralyzed politically and intellectually. It does not seem to suggest any political solution other than police reform. As long as the outlying settlements continue to be neglected, as long as the youth of France and the security forces continue to clash, it will be difficult to see that there will not be another police lapse and the riots that follow. Sociologist, Emeritus Professor, University of Bordeaux.

Law: How secure is your data, new legislation can prove to be important

The proposed Digital Personal Data Protection Bill is a significant step in the way private companies are turning personal data into an asset. The Union Cabinet, which met on Wednesday under the chairmanship of the Prime Minister, approved the Digital Personal Data Protection Bill, which the government is likely to legislate in the monsoon session of Parliament beginning July 20. This will be an important step in view of the long-standing demand for a law to protect personal data and privacy in the country. India is lagging far behind Europe and America on the issue of data security. Legislation on data protection and privacy has been in force in Europe since 2018, but with the internet changing the world fast, what's new is getting old very quickly. The increasing use of artificial intelligence (AI) technology based language model requires the inclusion of many other new issues in the personal data and privacy protection law coming in India, as the main role in this language model is the data available on the Internet. . Open AI and Google's ChatGPT have made the numbers game interesting. Keep in mind that India is the second largest internet market in the world. In the meantime, Google has made changes to its privacy policy, making it clear that Google is able to read any content you post on any Google product, and that all content is now the company's property. , and she's also sending all that stuff to a chatbot. This policy further states that Google may use publicly available information to train AI models and improve products and features equipped with Google Translate, Byrd and Cloud AI capabilities. Google keeps changing its privacy policy from time to time. The phrase clarifies that the internet giant's AI system may use the thoughts you post online, in modification of its previous policy. This new phrasing tells us that in the previous policy where the use of content posted online was only for Google Translate, Bard and Cloud AI, it is now mentioned that the data will be used for language models instead of AI models. Will be done. This provision in the privacy policy is a bit strange. These policies usually describe how a company can use the data you post online. But in this case Google seems to have a monopoly on collecting publicly available data and using it in the field of artificial intelligence testing. Although the policy clarifies many matters, it also raises some interesting questions. When we are active in posting or writing something on the Internet, we assume that what is posted publicly is also publicly available. But now we also have to understand that the question is not just about a public post, but what does it mean to write anything online. Now it's even possible that a long-forgotten post you wrote at the age of ten, or maybe even a restaurant review you wrote, has been used to develop large AI model language models like Bard and Chat GPT. are doing Now the question is bound to arise here that from where these models get their information. The answer is that Google's Bard or OpenAI's ChatGPT use the vast amount of material posted online on the Internet to train their language models. But it is still unclear whether such a process is legal or not, and who will own the copyright on this material. There is also another important question here that all the answers of artificial intelligence (AI) technology based language model are derived from plagiarism in one way or the other. With many such questions yet to be answered, it is to be hoped that personal data and privacy legislation will address these issues as well.

डीएम कार्यालय पर दिव्यांग ने खुद पर पेट्रोल डालकर की आत्मदाह की कोशिश, मचा हड़कंप

मुरादाबाद- आत्मदाह के प्रयास की जानकारी पर डीएम कार्यालय पर ड्यूटी दे रहे पुलिस कर्मियों के फूले हाथ पांव, उन्होंने के उसके कपड़े बदलवाकर सुनी फरियाद मैनाठेर थाने के रहने वाले दिव्यांग तजम्मुल ने सोमवार को अपने गांव के ग्राम प्रधान पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर और उसकी शिकायत पुलिस द्वारा न सुने जाने पर जिलाधिकारी कार्यालय में उनके चैंबर के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश करने पहुंच गया। वहां पहुंचकर वह सिस्टम पर अपना गुस्सा निकालने लगा।

उसका शोर सुनकर और शरीर पर पेट्रोल डला देखकर डीएम की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों के हाथ पांव फूल गए। उन्होंने उसे पकड़ा और समझाने का प्रयास किया। इस बीच कलेक्ट्रेट के कर्मचारी भी जुट गए।पीड़ित का आरोप था कि ग्राम प्रधान उससे चुनाव में वोट न देने को लेकर रंजिश रखता था और फर्नीचर का काम खोखा लगाकर करता था जिसे प्रधान ने उजाड़ दिया। इसकी शिकायत थाने पर भी नहीं सुनी गई।

जिससे मजबूर होकर उसे यह कदम उठाना पड़ा। एडीएम सिटी ज्योति सिंह ने उससे बातचीत कर पूरी मदद का आश्वासन दिया। उनका कहना है कि बिलारी एसडीएम से संबंधित मामला था। दिव्यांग को समझाकर वहां के एसडीएम के पास भेजा गया। उसकी समस्या का प्राथमिकता पर समाधान कराया जाएगा।

सावन के पहले सोमवार को शिवभक्तों ने किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

मुरादाबाद- दिल्ली रोड पर दिखे बड़ी संख्या में कांवड़िए, चौरासी घंटा मंदिर, ढाप वाले मंदिर, मनोकामना मंदिर, आशियाना के शिवशक्ति मंदिर, हरथला शिवमंदिर में भक्तों की पूजा अर्चना सावन के पहले सोमवार को हर ओर हर हर महादेव का जयघोष गूंजा।

एक तरफ हरिद्वार और बृजघाट से बोल बम, जय जय शिवशंकर का जयघोष करते कांवड़िया कांवड़ में गंगाजल लेकर अपने गंतव्य को बढ़ रहे थे। तो दूसरी ओर महानगर के चौरासी घंटा मंदिर, ढाप वाला मंदिर, शिवशक्ति मंदिर, हरथला शिवमंदिर सहित अन्य धार्मिक मंदिरों में पहुंचकर शिवभक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। फूल, बेलपत्र, फल आदि चढ़ाकर अपने आराध्य देव से मनोकामना पूरी करने की मनुहार कर सुख समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की।

सीवरेज लाइन की खुदाई के चलते आशियाना-रामगंगा विहार में शिवमंदिरों के आगे गड्ढा खोदकर छोड़े जाने से भक्तों को परेशानी हुई। दो दिन से हुई बारिश से इन जगहों पर कीचड़ पसरा रहा और गड्ढों में पानी भरने से उसमें गिरने का डर बना रहा। हरिद्वार-कांठ-मुरादाबाद रोड की अपेक्षा दिल्ली रोड पर कांवड़ियों की संख्या अधिक रही। सावन के सोमवार और कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

संबंधित विभाग लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण सुनिश्चित करें

मुरादाबाद - कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा संरक्षण समिति के संबंध में बैठक आहूत की गयी, जिसमें विशेष वृक्षारोपण अभियान के संबंध में चर्चा की गयी। बैठक में संबंधित विभागों के वृक्षारोपण के संबंध में विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण में वृद्धि करने हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग वृक्षारोपण के लक्ष्य को गंभीरतापूर्वक पूर्ण कराए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के उपरान्त पौधों का निरन्तर ध्यान रखें तथा वृक्षारोपण हेतु भूमि के चिन्हींकरण पर भी ध्यान दें। जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के अनुरुप ही वृक्षारोपण हेतु गड्ढे समय से खोद लिये जाये और अभी से पौधे लगाना शुरु कर दें। उन्होंने कहा कि विभागों को दिये गये लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि जिन विभागों द्वारा पौधों का उठान नही किया गया है वह तत्काल पौधों का वृक्षारोपण हेतु उठान कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निगम व विभिन्न नगर पालिकाएं साथ मिलकर कार्य करें तथा अपने कर्तव्यों का अच्छे से निवर्हन करें। जिलाधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने अवगत कराया कि वायोमेडिकल वेस्ड के संबंध में निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग ई-वेस्ट की समस्या को गम्भीरता से लेकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पालिका तथा नगर पंचायतें अपने- अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई तथा नाला-नाली की सफाई पर विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में सामन्जस्य बनाकर कार्य करें और साइट वेस्ट मैनेजमेंट को कैसे बेहतर बनाया जाये इस पर निरन्तर विचार एवं कार्यवाही की जाये। डीएफओ ने हरीतिमा अमृत वन मोबाइल एप वर्शन 3.1 के माध्यम से अन्य विभागों के द्वारा किए जा रहे

दिल नाम की चीज होगी तो बाढ़ आंखों में भी आएगी...

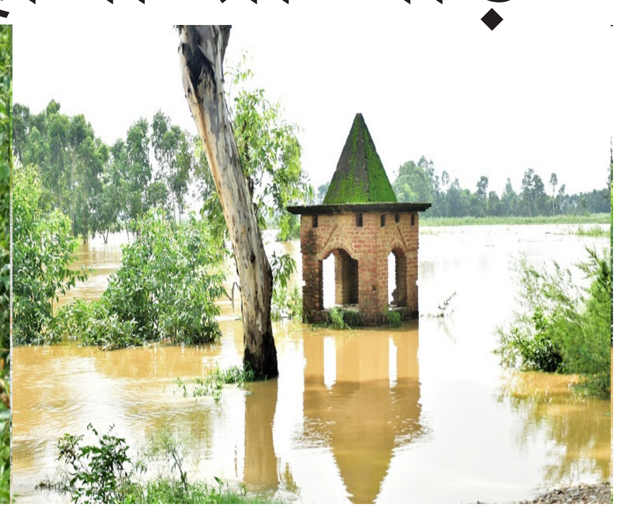

मुरादाबाद- खेतों में भरे पानी से छानकर बहुतेरे किसान धान की फसल काटने को मजबूर गरीबी में जीना किसी का शगल नहीं होता। भूखे पेट भला कहां किसी को नींद आती है। लेकिन, कभी बेबसी और मजबूरी में ठिठुरते बदन रात काटनी पड़ती है। यहां नदी के तटवर्ती गांवों के हालात कुछ ऐसे ही हैं। उफनाई नदियों के पानी का दबाव यहां की खेती लील रहा है। महानगर से सटकर बहने वाली रामगंगा का पानी खेतों में चढ़ता जा रहा है, जबकि ढेला नदी का पानी और लागातार हो रही वर्षा से सदर तहसील क्षेत्र और देहात विधान सभा के गांवों की ओर बढ़ रहा है। आलम यह है कि गन्ना की फसल में पानी का प्रवाह तेज दिख रहा है। उधर, अप्रैल माह में बोई गई धान की फसल खेतों में जल प्लावन का शिकार हो रही है। बहुतेरे किसान पानी भरे खेत से छानकर धान की फसल काटने को मजबूर हैं। जबकि, हजारों एकड़ जमीन में बेहन (पौध-पनीर) रोपने को तैयार किसानों को कुछ सूझ ही नहीं रहा है। सच तो यह कि रामगंगा और ढेला नदी प्रभावित क्षेत्र के किसानों की दुविधा देखकर उस शायर की लाइनें याद आती हैं, जिसमें बेबसी और परेशानी बताने के लिए वह लिखता है- कि दिल नाम की चीज होगी तो बाढ़ आंखों में भी आएगी...।बारिश और उफान का रिकॉर्ड बनी रही नदियों वाले क्षेत्र में बाढ़ की दस्तक पता करने रविवार को टीम रामगंगा नदी के पार के सलेम सराय गांव पहुंची, यहां घरों से खेतों तक तरह-तरह की आवाजें हैं। खेती किसानी से जुड़ा हर चेहरा बदहवास सा है। सलेमसराय के बुजुर्ग किसान अख्तर अली खेत की मेड़ पर बैठे मिले। बोले, 35 बीघा धान की रोपाई कराई थी। सब का सब डूब गया। अब 12 बीघे खेत के लिए बेहन तैयार है। पड़ोस में पेड़ के सहारे खड़े मुनाजिर बोल पड़े। 10 बीघा मेरा भी तो बर्बाद हो गया।यूनुस, सुधीर लाला, अहमद अली ऐसे हालात के लिए मौसम को कम, जनप्रतिनिधियों को कोसने लगे। बोल पड़े, एक बंधे से रामगंगा का पानी हमें तबाह नहीं करता। जबकि, बैलगाड़ी पर अधपके धान का बोझ लेकर घर लौट रहे बाबू का कहना है कि नौ बीघा जमीन पर धान बोया था। पूरी फसल डूब गई है। वह कहते हैं कि अप्रैल महीने में इस तैयारी से खेती की थी कि दूसरी फसल भी काट लेंगे।

ढेला नदी का जलस्तर घटने से किसानों ने ली राहत की सांस

भोजपुर,अमृत विचार- रविवार की देर शाम ढेला नदी का जलस्तर घटता दिखा। जबकि शनिवार को नदी का जलस्तर बढ़ता देख प्रशासन ने नदी के आसपास बसे करीब एक दर्जन गांव के लोगों को अलर्ट किया था। भोजपुर के किसान हामिद का कहना है, अब किसानों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। क्षेत्र में धान की रोपाई तेजी से चल रही है। पानी से खेत लबालब भरे हुए हैं। क्षेत्र में 60 प्रतिशत से ज्यादा धान की रोपाई हो चुकी है। जल्द ही बचे खेतों में धान की रोपाई पूरी हो जाएगी। किसान हाजी हनीफ का कहना है, बरसात से गन्ने की फसल को फायदा हुआ है। मगर ढेला नदी के आसपास गन्ने की फसल नदी के कटान के दौरान वह खराब हो चुके हैं। जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। देर शाम से नदी का जलस्तर घट रहा है। जिससे आसपास के करीब एक दर्जन गांव के लोगों ने राहत की सांस ली है।

बंधा बने तो दूर हो समस्या

मुरादाबाद, अमृत विचार- सलेमसराय के पूर्व प्रधान निरंकार सिंह कहते हैं कि बाढ़ तो हमारी तकदीर में लिख गई है। मुस्तफापुर क्षेत्र में दो से तीन किलोमीटर बंधा बन जाने से दर्जनभर गांवों की खेती सुरक्षित हो सकती है। लेकिन, हर चुनाव में नेता आते हैं। हमारी पीड़ा में खुद को शामिल करते हैं। जब बात काम की आती है तो चुप हो जाते हैं। वह कहते हैं कि धीरे-धीरे पानी बढ़ रहा है। हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। अब जनजीवन भी खतरे में पड़ेगा फिर भीड़ जुटेगी और हमारा तमाशा बनेगा।

आपके फोन में ठग, सतर्क रहकर सुरक्षित रखें बैंक खाते की पूंजी

मुरादाबाद- डेढ़ वर्ष में साइबर क्राइम वाले थाने पहुंचे 10000 मामले, जालसाजी का शिकार होने के तुरंत बाद साइबर सेल में दर्ज कराएं शिकायत कंप्यूटर युग में अपराधी भी स्मार्ट होते जा रहे हैं। आपके पास मोबाइल है, घर में भी है। बूढ़े से लेकर बच्चे तक मोबाइल में व्यस्त हैं। लेकिन, हां आपके मोबाइल के इंटरनेट पर ठग सक्रिय हैं। बेहतर होगा आप कोई अपरिचित कॉल रिसीव करें, न ही मैसेज।''आपकी लाटरी निकली है'' आदि जैसे लालच देने वालों के चक्कर में न पड़े, चूंकि ये हाईप्रोफाइल ठग आपको गुमराह कर बैंक खाते में जमा रकम पल भर में उड़ा लेंगे। अपरिचित को खुद और बैंक खाते के बारे में कोई डिटेल न दें। जी हां, कुछ इसी तरह की भूल करने वाले हर दिन चार-पांच लोग अपनी ठगी की कहानी लेकर पुलिस लाइन में साइबर सेल में पहुंच रहे हैं। इनमें खासतौर से महिलाओं की संख्या अधिक देखी जा रही है। पिछले डेढ़ वर्ष में ऐसे ही करीब 10,000 लोग ठगी का शिकार हो चुके हैं। इनके बैंक खातों से कुल 3.19 करोड़ रुपये ठगी के चक्कर में चले गए। हालांकि, इसमें काफी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराने में साइबर सेल की टीम ने सफलता भी पाई है।साइबर सेल टीम इंचार्ज ऋतिक पाठक बताते हैं कि ऑनलाइन ठगी करने वाला जब किसी के बैंक खाते से पैसा चुराता है तो वह जिस खाते में रुपये ट्रांसफर करता है, उस खाते से तत्काल नकद निकासी नहीं करता है। वह चोरी किए रुपयों को अन्य कई खातों में में अलग-अलग ट्रांसफर करता है। इसीलिए पीड़ित को चाहिए कि उसके खाते से जैसे ही रुपये चोरी हों वह जल्दी से जल्दी साइबर सेल में आकर सूचित करे तो उसके चोरी हुए रुपयों को वापस लेने में आसानी रहती है। साइबर क्राइम से बचने के लिए जरूरी है कि अपरिचित यदि आप से कॉल पर आपके व बैंक विवरण के बारे में जानकारी ले रहा है तो कतई न दें, न ही ओटीपी आदि बताएं। कोशिश रहे कि यदि आप ठगी का शिकार हो गए हैं तो जितनी जल्दी हो आप पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक यातायात के साइबर सेल में आकर सूचित करें। इससे आपके खाते से कटने वाले रुपयों को वापस या होल्ड कराने में आसानी रहती है। वैसे अभी तक जो केस आए हैं, अधिकांश में साइबर सेल धनराशि की रिकवरी या पैसा होल्ड कराने में सफल हुई है। -सुभाष चंद्र गंगवार, प्रभारी अधिकारी-साइबर सेल ऑनलाइन ठगी करने वालों के तरीके-1- बैंक खाते का विवरण एवं ओटीपी पूछकर। 2- यूपीआई लिंक के माध्यम से। 3- बैंक अधिकारी बनकर जानकारी लेना। 4- लोन स्वीकृत हो गया, दिलाने के नाम पर। 5- एनीडेस्क डाउनलोड कराकर भी ठगी। 6- वीडियो वायरल कर छवि धूमिल करने की धमकी से। 7- फेसबुक पर अश्लील मैसेज टच करने पर ठगी करना। 8- सोशल मीडिया पर फेक पोस्ट के जरिए। 9- अश्लील वीडियो बनाकर रुपये की मांग।10- क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी लेकर। 11-अपरिचित लड़कियों से ऑनलाइन वीडियो कॉल पर बात/चैटिंग सेछह महीने में एक लाख से अधिक की ठगी के छह मामले- चालू वित्तीय वर्ष के छह महीने में एक लाख रुपये से ऊपर की ऑनलाइन जालसाजी वाले कुल छह प्रकरण दर्ज हैं। इसमें सबसे अधिक 4,34,000 रुपये का मामला नागफनी के दीवान का बाजार निवासी सैय्यद आसिम रजा का रहा है। सक्रियता के कारण इनकी धनराशि को वापस कराने में साइबर सेल को भी काफी मदद मिली और पूरा पैसा खाते में रिकवर कराया गया। इसी तरह मझोला के मानसरोवर कॉलोनी के अरविंद कुमार से 2,16,014 रुपये की ठगी हुई। इनका भी रुपया रिकवर हो गया है। 1.81 करोड़ रुपये की नहीं हो सकी है रिकवरी ऑनलाइन ठगी के पीड़ित समय रहते पुलिस के साइबर सेल में पहुंच गए तो टीम के सदस्यों ने कुल 1,37,21,274 रुपये खाते में होल्ड व रिकवरी कराने में सफलता भी पाई है। लेकिन, डेढ़ वर्षों में ऑनलाइन ठगी के जो मामले आए और उससे संबधित कुल धनराशि में अभी भी पुलिस की साइबर सेल टीम 1,81,81,867 रुपये की रिकवरी नहीं करा सकी है। इनमें अधिकांश ऐसे मामले हैं जिनमें पीड़ित या तो समय से साइबर सेल को सूचित नहीं कर पाए या उनकी सूचना दिए जाने से पहले ही साइबर अपराधियों ने धनराशि आहरित कर ली। साइबर सेल ने पीड़ितों के 30,464 रुपये वापस कराए मुरादाबाद। साइबर सेल ने रविवार को आनलाइन ठगी के दो पीड़ितों के 30,464 रुपये वापस कराए हैं। कुंदरकी थाना क्षेत्र में जैतिया फिरोजपुर निवासी नाजिम पुत्र जाकिर से किसी अज्ञात व्यक्ति ने ओटीपी शेयर करवाकर 8,864 रुपये ठग लिए थे। वहीं, मूंढापांडे आरएचएम कॉलेज आफ हायर एजुकेशन हरसैनपुर सिरसखेड़ा के प्रबंधक रुकशाद अली से किसी अज्ञात व्यक्ति ने विद्यालय में बन रही प्रैक्टिकल लैब में लगने वाली सिंक का सामान खरीदने के लिए संपर्क किया। साइबर जालसाज ने प्रबंधक रुकशाद अली को विश्वास में लेकर सिंक के सामान के लिए ऑनलाइन 21,600 रुपयों की साइबर ठगी कर ली। दोनों पीड़ितों ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज की थी। रविवार को साइबर सेल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पीड़ितों की पूरी रकम उनके खातों में वापस करवा दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

खन्ना में दु:ख निवारण शिविर और आयुर्वेदिक वैदिक आरोग्यधाम का श्री स्वामी आचार्य राजेश्वरानंद किया उद्घाटन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना --श्री स्वामी आचार्य राजेश्वरानंद के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक दु:ख निवारण शिविर का आयोजन गुरु नानक नगर, कंजा फैक्ट्री रोड, खन्ना में किया गया। इस अवसर पर श्री स्वामी आचार्य राजेश्वरानंद जी ने आयुर्वेदिक वैदिक आरोग्यधाम का भी शुभारंभकिया। यह आरोग्यधाम आधुनिक रोगों के निवारण के लिए एक प्रमुख केंद्र होगा। आचार्य स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज विज्ञान और आध्यात्मिकता में आधुनिकता के समर्थक हैं और वे एक प्रख्यात दार्शनिक और लेखक हैं। वे आयुर्वेद, नाड़ी निदान और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रमुख विशेषज्ञ हैं। इसके साथ ही, उन्होंने लगभग 10 लाख लोगों को विज्ञान, आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य और दर्शन के बारे में ज्ञान प्रदान किया है।

उद्घाटन समारोह में योगेश्वर धाम एवं परिसर में स्थित योगेश्वर गौशाला का भी उद्घाटन किया गया। यह गौशाला स्वामी जी के पवित्र सानिध्य में अशोक कुमार सिंगला, पंजाब गाय सेवा के अध्यक्ष, के प्रशासन में स्थापित की गई। इस अवसर पर स्थानीय एमएलए तरुणप्रीत सिंह सोंद भी उपस्थित थे। इस शिविर में लगभग 1000 लोगों ने हिस्सा लिया और स्वामी जी और गुरुओं के वचनों से ज्ञानार्जन किया।

यह अवसर उनके शारीरिक दुखों को नष्ट करने के लिए और अपने आप को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण रहा। डॉ ललित मोहन एवं डॉ सीमा सहित अरिहंत के सभी वैद्यों और डॉक्टरों ने वहा लोगो का चेकअप भी किया। इस समारोह में अनेक प्रमुख व्यक्तित्व मौजूद भी थे जिन्होंने स्वामी जी और गुरुजनो के वचनो का आनंद लिया। आयुर्वेदिक हीलिंग और प्राकृतिक चिकित्सा से खुद को ठीक करने के लिए, अब लोग आरोग्यधाम में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

यह आयोजन निर्माणशीलता और सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में सफल रहा और इसके आयोजन से लोगों को उनकी सांसारिक और शारीरिक समस्याओं का समाधान मिला।

डीसी ने जिले के कई गांवों में लिया बाढ़ की स्थिति का जायजा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने सोमवार को जिले के कई गांवों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। जिले के भोलेवाल, नूरपुर बेट, वलीपुर, खेहरा बेट, मांडा गांवों का दौरा करने के बाद सुरभि मलिक ने कहा कि सिसवां नदी में पानी के बहाव के कारण सतलुज नदी में जलस्तर बढ़ गया है, जिससे नदी के किनारे के निचले इलाकों को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाखड़ा बांध से अत्यधिक पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों से लोगों और मवेशियों को सुरक्षित निकालना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और मौजूदा परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाली किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए वे पहले से ही पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की टीमों ने राजपुरा और खेहरा बेट के 40 निवासियों को सुरक्षित बचाया था और उन्हें एसएफआरआई भवन में एक अस्थायी आश्रय में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां भोजन, पानी, बिजली, बिस्तर, शौचालय और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की गईं। उन्होंने अधिकारियों को सभी उल्लंघनों को भरने और संवेदनशील बिंदुओं को मजबूत करने के निर्देश भी दिए, इस के लिए 10000 रेत बैग और इससे भी अधिक की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को पहले ही अपनी स्वास्थ्य टीमों को तैयार रखने के लिए कहा गया है और पावरकॉम को जरूरत पड़ने पर प्रस्तावित राहत केंद्रों में बिजली की आपूर्ति के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। इसी प्रकार, मलिक ने कहा कि गोताखोरों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें शामिल किया जा सके और किसी भी समस्या के मामले में लोगों की मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि जिला प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में इन लोगों की मदद करना जिला प्रशासन का कर्तव्य है। मलिक ने कहा कि वह जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ स्थिति पर नियमित नजर रख रही हैं। मलिक ने इन गांवों के निवासियों से भी बातचीत की और संकट की इस घड़ी में उन्हें पूरे दिल से समर्थन देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में एडीसी गौतम जैन, एसडीएम डॉ. हरजिंदर सिंह, डीआरओ गुरजिंदर सिंह, एमसी के संयुक्त आयुक्त जसदेव सिंह सेखों, डीडीपीओ नवदीप कौर शामिल थे।

डीसी ने रंगाई-छपाई क्लस्टरों को बंद करने का आदेश दिया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - सतलुज नदी में पानी बढ़ने के कारण बाढ़ जैसी स्थिति के बाद, लुधियाना की उपायुक्त सुरभि मलिक ने सोमवार को शहर में रंगाई और छपाई समूहों को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश दिया। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि एमसी लुधियाना के अतिरिक्त आयुक्त ने डीसी से एहतियात के तौर पर ये आदेश जारी करने का अनुरोध किया था क्योंकि अत्यधिक पानी के कारण, भटियां एसटीपी उल्टा बहने लगा है और ठीक से काम नहीं कर रहा, जिसके कारण कुछ आवासीय क्षेत्रों में जलभराव हो सकता है। अस्थायी रूप से बंद होने का सामना करने वाले समूहों में बहादुर के रोड, ताजपुर रोड, औद्योगिक क्षेत्र ए, मोती नगर, समराला चौक से जालंधर बाईपास और फोकल प्वाइंट शामिल हैं। यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 34 के तहत जारी किए गए है। डीसी ने नगर निगम आयुक्त और पीपीसीबी के अधीक्षक अभियंता को आदेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने अपने जिला पदाधिकारियों के साथ किया सतलुज नदी व बुड्ढा दरिया का निरीक्षण

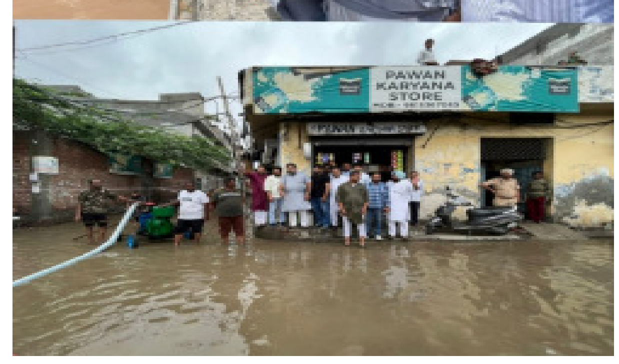

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - भारी बारिश के कारण सतलुज उफान पर है।सतलुज का पानी साथ लगते गावों में बड़ी तेज़ी से घुस रहा है परंतु प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है।उक्त शब्द जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने सतलुज दरिया के पानी का निरीक्षण करते हुए भगवंत मान सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहे।उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से लोगो की सुविधा हेतु सतलुज दरिया के आस पास कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए व न बाढ़ आने पर लोगो की मदद हेतु कोई इंतजाम किए गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बुड्ढे दरिया का भी निरीक्ष किया और कहा की बुड्ढे दरिया की सफाई की ओर कोई ध्यान नही दिया जब बुड्ढा दरिया ओवर फ्लो होकर लोगो के घरों में घुसा तो इनको बुड्ढा दरिया की सफाई की याद आई।आपने आप को आम जनता की सरकार कहने वाली भगवंत मान सरकार ही आज लोगो की जान की दुश्मन बन बैठी है। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिला महामंत्री कांतेंदु शर्मा, नरेंदर सिंह मल्ली,भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश शर्मा,यशपाल जनौत्रा,सुमन वर्मा, नवल जैन,प्रेस सचिव डा.सतीश कुमार, आदि मौजूद थे।

राज्य स्तर की कराटे प्रतियोगीता मे प्रमाण पत्र और मेडल्स प्राप्त किया

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
पुष्कर कराटे अकादेमी अफिलिएटेड नेशनल शोतोकान कराटे एसोसिएशन आफ इंडिया की टीम ने साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर मे जो 8 और 9 जुलाई को हुई उसमे भा ग लेकर 9 गोल्ड 8 सिल्बेर और 8 बरौन्ज़ निका ल कर अपने जिले का नाम रोशन किया इस चैंपियनशिप का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोट्र्स छत्रपति साहू जी महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर द्वारा किया गया था । मैडल प्रप्त करने वाले बच्चो मे हैं उमंग तिवारी सिल्बर ,रीढधी चतुवेदी सिल्बर ,पाखी सक्षेना गोल्ड ,चेतन सिंह बरौनज़े ,दीक्षा गौर बरौनज़े ,अश्विक श्रीवास्तव बरौनज़े,अवंतिका श्रीवास्तव सिलबर , सौर्या प्रताप सिलबर ,आदित्य कुमार गोल्ड ,आयुष राजपूत गोल्ड ,बैस्बी चतुवेदी गोल्ड ,अर्पित भारदाज गोल्ड,सक्षम सिलबर और बरौनज़े ,आरव रस्तोगी गोल्ड और सिलबर ,यस्स्वी दिक्षित दोनो गोल्ड ,ड्ढद्गस्त्रड्डठ्ठ्ठ एक गोल्ड एक बेऔन्ज़े ,अमन वर्मा एक सिलबर एक बेऔन्ज़े ,बित्तल वर्मा एक सिलबर और बौन्ज़े ,पुष्कर भारद्वाज एक सिलबर एक बेऔन्ज़े निकाले ।इनकी इस उप्लब्ध्धी पर इनके कोच सेनसेई पारस भारद्वाज और कोच सेनसेई आरती भारद्वाज कहा की यह सब इन लोगो की कडी मेहनत के कारण हो सका है मैं इनको सुभकामनाएँ देता हुँ ताकी यह लोग ऐसे जी आपनी अकादमी और अपने जिले का नाम रोशन करे इनकी इस उपलब्धीधी पर अधक्ष संजीव करियर ने कहा की येह ब्वेचे बहुत मेहनत करते अभी नेशनल प्रतियोगीता मे भी अपने जिले का नाम रोशन कर चुके है मेरा आशीर्वाद है और बहुत बहुत शुभकामनायें हैं इनके कोच और पूरी टीम को। इनके संरक्षक सचिन यादव ,सर्बेंदेर सिंह ,ला ल जी सक्षेना ,सोनू ठाकुर पूरी टीम को सुभकामनाये दि । इनके कोच सेनसेई पारस भारद्वाज ने बताया की इस पूरी टीम मे पुष्कर भरद्वाज और बिठल वर्मा जिन्होने ओपेन प्रतियोगीता भा ग लेकर दूसरे स्थान पर रहे ।

बिजली विभाग की लापरवाही से एक की मौत

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
बिजली विभाग की लापरवाही से एक की मौत दो गंभीर घायल बारिश के मौसम में गांव में पेड़ों के नीचे झूल रहे तार 11 हजार की लाइन का खंबे में दौड़ा करंट खंभे में करंट दौड़ने से तीन लोग चिपके एक की हुई मौत दो गंभीर रूप से घायल तीनों घायलों को ग्रामीण सीएचसी लेकर पहुंच

डॉक्टर ने एक को किया मृत घोषित दो का इलाज जारी युवक की मौत से परिजनों मचा कोहराम

करंट से हुई मौत पर सूचना के बाद भी नहीं पहुंचा कोई बिजली विभाग का अधिकारी व कर्मचारी कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के मद्दुपुर गांव का मामला

भगवान बुद्ध की प्रतिमा को हटाने को लेकर, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा- थाना इज्जतनगर के गांव चावड़ स्थित बुद्ध विहार प्रकरण के सम्बन्ध में सोमवार को बसपा जिलाध्यक्ष डॉ जयपालसिंह के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी से मिले तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञात रहे प्रशासन द्वारा पांच जुलाई को बिना किसी सूचना के भगवान बुद्ध की प्रतिमा को उसके स्थान से बुलडोजर से हटा दिया गया था।अब बौद्ध अनुयायियों ने उसी स्थान पर

नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि बुद्ध विहार की भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने वाले भू-माफिया के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। बुद्ध विहार की भूमि की बाउंड्री वॉल व बुद्ध की मूर्ति की स्थापना गुरू अशोक मित्र द्वारा की गई थी। उनकी मृत्यु के पश्चात भू-माफिया , ग्राम प्रधान एवं लेखपाल की मिलीभगत से मतरूक भूमि पर स्थित बुद्ध विहार की जमीन पर जबरन कब्जा कराना चाहता है। भू-माफिया ने शिकायत कि उसके गाटा 263 के सामने बुद्ध की मूर्ति की स्थापना की गई है।जो बिल्कुल गलत है।प्रशासन को गुमराह करने वाली है। जिलाधिकारी ने निष्पक्ष जांच कराने की बात कही। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह, दयाशंकर मौर्य, वसंत कुमार, सुशीला, राजेश्वरी, ऊषा, चंद्र प्रभा, गीता, कमला, लीलावती सहित तमाम बौद्ध अनुयाई मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद के प्रसिद्ध पांडेश्वर नाथ मंदिर में लगा भक्तों का तांता

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद- सावन के पहले सोमवार को फर्रुखाबाद के प्रसिद्ध पांडेश्वर नाथ मंदिर में लगा भक्तों का तांता सावन का पहला सोमवार है फर्रुखाबाद के प्रसिद्ध पांडेश्वर नाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जल अभिषेक कर भक्तों ने पूजा-अर्चना की पांडेश्वर नाथ मंदिर 500 साल पुराना मंदिर मंदिर है यह मंदिर महाभारत काल किस समय का मंदिर है यहां पांच पांडवों ने आकर पूजा अर्चना की थी और यहां टाटा काल से ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु होते हैं बताते हैं के पांडेश्वर नाथ मंदिर मैं भगवान शिव दर्शनार्थियों को अपनी साधना और भक्ति की और खींच लेते हैं और उन तमाम आत्माओं में एक अद्भुत पूजा घर देते हैं जिससे प्रभु का गुणगान और दर्शन कर पाते हैं जी हां ऐसे ही हैं बीओ आपको बता दें पंडित और नाथ मंदिर पांडेश्वर रूम में भगवान शिव विराजमान है जिससे कि यहां सभी आराधना में प्रसन्न होकर शिव की आराधना करते हैं सबकी मनोकामना पूरी करने वाले पांडेश्वर नाथ मंदिर मैं जो भक्त अपनी मनोकामना लेकर आते हैं भगवान भोलेनाथ जल्द ही उन पर अपनी कृपा कर देते हैं सावन के पहले सोमवार को तरीकों को यह नजारा देखने को मिला है लगता है वास्तविक में भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती हैं और यह फर्रुखाबाद का पांडेश्वर नाथ मंदिर प्रसिद्ध मंदिर है भगवान शिव अलग-अलग रूपों में सिंगार के चक देखने को मिलती है भगवान शिव भक्तों के दुखों को हैं और समस्त विश्व का कल्याण करें सर्व धर्म संगम ऐसी प्रार्थना करता है

सावन के महीने को देखते हुए और पहले सोमवार को शासन के आदेश के अनुसार जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन दोनों सतर्क पांडेश्वर नाथ मंदिर में सीसीटीवी कैमरा से अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है चप्पे-चप्पे पर पुलिस की पैनी नजर है लगातार पुलिस के अधिकारी भ्रमण सील है और एडिशनल एसपी डॉक्टर संजय कुमार सिंह ने पांडेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर संस्था व्यवस्था का लिया जायजा वहां तैनात पुलिसकर्मियों को दिए सख्त निर्देश किसी तरह की भी लापरवाही होने पर की जाएगी पुलिस कर्मियों का सख्त कार्रवाई

पुलिस लाइन में बच्चों के कैरियर पर चर्चा आज के नौनिहाल बनेंगे डॉक्टर डीएम और एसपी

हारून बक्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद-श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट की प्रबंध निदेशिका आकांक्षा सक्सेना ने आज पुलिस लाइन फतेहगढ़ सभागार में आज बच्चो से उनके कैरियर के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल के डीएम एसपी डॉक्टर बनेंगे ऐसा साफ दिखाई दे रहा था नन्हे नन्हे बच्चे उत्साह से भरे हुए थे उनका हौसला साफ दिखाई दे रहा था कि जो बोला जा रहा है उसे कर के भी दिखाएंगे

अगर आज उनके अंदर इतना उत्साह है तो वो हर कठिनाइयों को पार करते हुए आगे बढ़ते चले जायेंगे हर बच्चे का लक्ष्य निर्धारित था ये किसी अचंभे से कम नहीं है इतनी सक्रियता अगर बच्चो में आज है तो जाहिर है कल उन्हें रोकने बाला कोई नही होगा आकांक्षा सक्सेना ने कहा कि वो कई बार स्टूडेंट्स की कैरियर काउंसलिंग के लिए पुलिस सभागार में आ चुकी है पर आज की सभा सबसे अलग है ऐसा लग रहा है जैसे बच्चे अभी पढ़ाई खत्म करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। उत्साह से भरी आज की सभा में जो आनंद था लग रहा था की बस चलती ही रहे और बच्चो से बात चीत का सिलसिला खतम हो न हो जिस उम्र में हम खेलना ही जानते है बच्चे इस उम्र में देश को रक्षा के लिए आगे और सिर्फ आगे बढ़कर अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है आज काउंसलिंग में लगभग एक सैकड़ा बच्चों सौम्या चाहर आयुषी सिंह देवांश अरवी अंशिका अरविंद प्रद्युम्न रितिक ने प्रतिभाग किया इस दौरान एसआई एपी मुन्नू लाल पीटीआई सुनील जगदीश कांस्टेबल प्रिया रूबी कविता अनिता साजन जोहरी आदि लोग उपस्थित रहे

प्रशासन ने दोराहा नहर में आई दरार को पाट दिया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - जिला प्रशासन, सेना और पुलिस के ठोस प्रयासों से सोमवार सुबह दोराहा में दो दरारों को सफलतापूर्वक भर दिया गया।

पायल की एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर के नेतृत्व में जिला प्रशासन की एक टीम ने सुबह-सुबह दोराहा में प्लगिंग अभियान शुरू कर दिया । सिसवन में दरार के कारण, दोराहा नहर में अतिरिक्त पानी बह गया, जिससे दोराहा और राजगढ़ गांवों में दरार आ गई। इस दरार को पाटने के लिए सिंचाई, राजस्व, सेना, पुलिस सहित एसडीएम की देखरेख में मनरेगा मजदूरों के साथ-साथ रेत की बोरियों, जेसीबी को काम पर लगाया गया । एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर ने कहा कि यह काम युद्ध स्तर पर किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दरारों को जल्द ही भर दिया जाए। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा जिला प्रशासन लोगों के साथ है और अधिकारी बाढ़ प्रभावित गांवों के निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

अयोध्या में बाल स्वरूप में नजर आएंगे भगवान राम, चंपत राय बोले- जनवरी 2024 से लोग कर सकेंगे दर्शन

भदोही पहुंचे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर को इस प्रकार से बनाया जा रहा है कि एक हजार साल तक मरम्मत की जरूरत नही पड़ेगी। गर्भ गृह में भगवान राम बाल स्वरूप में नजर आएंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय सोमवार को भदोही पहुंचे। उन्होंने कहा कि 15 से 24 जनवरी 2024 के बीच एक उपयुक्त तिथि में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा भव्य मंदिर में कराई जाएगी। बताया कि भगवान राम बालक रूप में विराजमान होंगे।सुंदरवन में आयोजित एक धार्मिक आयोजन में पहुंचे चंपत राय पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि मंदिर में लगभग 21 लाख घनफुट ग्रेनाइट, सैंड स्टोन और मार्बल का प्रयोग किया जा रहा है। मंदिर को इस प्रकार से बनाया जा रहा है कि एक हजार साल तक मरम्मत की जरूरत नही पड़ेगी। गर्भ गृह में भगवान राम बाल स्वरूप में नजर आएंगे।प्रतिमाओं का निर्माण अयोध्या में शुरू हो गया है। मंदिर की चौखट मार्बल की है जबकि दरवाजे महाराष्ट्र की लकड़ी से बनाई गई है। दरवाजों की नक्काशी का काम शुरू हो गया है। भूतल पर गर्भगृह का कार्य अक्तूबर तक पूरा हो जाएगा जबकि फिनिशिंग का कार्य दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। दूसरे तल पर कोई प्रतिमा नहीं चंपत राय ने बताया कि पहले तल पर भगवान का परिवार स्थापित होंगे। अभी की योजना में दूसरे तल पर किसी प्रतिमा का निर्माण नहीं हो रहा है। वह केवल मंदिर की ऊंचाई देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दर्शन के लिए जो श्रद्धालु मंदिर पहुंचेंगे उनकी हर एक सुविधा का विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पंजाब सरकार ने गियासपुरा गैस रिसाव के पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा जारी किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - लुधियाना दक्षिण से विधायक बीबी राजिंदरपाल कौर छीना ने आज गियासपुरा गैस रिसाव के पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया बढ़ाते हुए एन.जी.टी. पंजाब सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक पीड़ित परिवार के सदस्यों को 18 लाख का मुआवजा दिया जा रहा है। एक छोटा बच्चा युग जिसके माता-पिता, प्रीति जैन और सौरव जैन और उसकी दादी दुर्घटना के शिकार थे।उसके नाम पर पंजाब सरकार ने 47 लाख का एफ.डी करवा दिया है ।उसकी दादी का 18 लाख का मुआवज़ा युग और उसके चाचा गौरव के बीच दो हिस्सों (9 लाख प्रत्येक) में बाँट दिया । इसके अलावा याशिका जिसके पिता अमित कुमार की भी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। मुआवजे के तौर पर उन्हें, उनकी मां और दादी को तीन किश्तों में 5.33 लाख (कुल 18 लाख) दिए गए। मुआवजे के तौर पर कमलेश गोयल के बेटे गौरव को 8 लाख, कृष्णा देवी को 16 लाख, नंदिनी सिंह को 16 लाख और मनोरमा देवी को 80 लाख तक का चेक दिया गया। इस अवसर पर सरकारी अधिकारी (तहसीलदार-गुरप्रीत कौर, दलजीत सिंह कनंगो और गियासपुरा पटवारी चमकौर सिंह) उपस्थित थे।

शाहजहांपुर में करंट से दो बच्चों की मौत-घर से खेलने निकले थे दोनों मासूम भाई, दर्दनाक हादसे का हुए शिकार

शाहजहांपुर के जलालाबाद थाना क्षेत्र के याकूबपुर गांव निवासी शरीफ के छह साल के बेटे अयान और चार साल के अरमान की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना के समय दोनों भाई घर के बाहर खेल रहे थे। दो बच्चों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बच्चों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए सुपुर्द-ए-खाक कर दिया है। जलालाबाद क्षेत्र में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। गांव याकूबपुर में घर के बाहर खेल रहे दो बच्चों की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों बच्चे घर के बाहर विद्युत पोल के सपोर्ट में लगाए गए लोहे की तार के चपेट में आ गए थे। शरीफ रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। वह सुबह सात बजे घर से रिक्शा लेकर चला गया था। उसकी पत्नी परवीन घर के कामकाज में लगी थी। इसी बीच उसके बेटे अयान व अरमान घर के बाहर खेलने निकल गए। शरीफ के घर से कुछ फासले पर असलम का घर है। वहां लगे बिजली के खंभे के सपोर्ट के लिए एक लोहे का तार पास में ही जमीन पर लगा हुआ है।

बारिश के चलते तार में उतर आया था करंट

दोनों भाई खेलते वहां पहुंच गए और एक-एक कर दोनों ने तार पकड़ लिया। बरसात के चलते तार में करंट उतर आया था। करंट लगने से झुलसे दोनों बच्चे वही गिर गए। करीब आठ बजे एक भिक्षा मांगने पहुंचे व्यक्ति ने गली में बच्चों को पड़ा देखा। उसने आवाज लगाई, जिसे सुनकर मां परवीन सहित आसपास के अन्य लोग बाहर निकले। तब घटना का पता लगा। तुरंत वह लोग बच्चों को लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दो बेटों की मौत से माता पिता समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शरीफ के दो साल का एक बेटा फरमान है। बारिश के चलते गली में रहा सन्नाटा- जिस समय घटना हुई। उस समय हल्की बारिश होने लगी। इस वजह से कोई घर से बाहर नहीं निकला।जिसके चलते बच्चों की मौत की जानकारी भी लोगों को नहीं हो सकी। करीब 30 मिनट तक शव पड़े रहे। भिक्षा मांगने वाले व्यक्ति के आवाज देने के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हुए।गमगीन माहौल में शव किए दफन- हादसे के बाद पुलिस ने भी मौका-मुआयना किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने की बात कही, लेकिन परिजनों ने इन्कार कर दिया। इसके बाद गमगीन माहौल में शवों को नजदीक के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

मोबाइल टावर के कर्मचारियों की लापरवाही से 5 मासूमो को लगा करंट

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद- मोबाइल टावर के कर्मचारियों की लापरवाही से 5 मासूमो को लगा करंट हालत गम्भीर मोबाइल के चार कम्पनियों के लगे टावरचारो टावर के चारो तरफ लगीं

लोहे की जाली टावर के जाल से पाँच बच्चों को लगा करंट हालत गंभीर उपचार के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल में कराया भर्ती मोबाइल नेटवर्क कम्पनी के चार टॉवर एक ही जगह पर है लगे किसी भी कम्पनी का कोई कर्मचारी नहीं रहता ड्यूटी परचारो कम्पनी की तरफ से टावर की देख भाल कर रहा जमीन मालिक टावर की जाली में हाथ लगते ही पांचो बच्चो को लगा करंट हालत गंभीरबच्चे जा रहे थे डेरी से दूध लेने पुलिस ने जमीन मालिक को लिया हिरासत में कोतवाली फतेहगढ़ के ग्रानगंज का मामला

विजीलैंस द्वारा 30 हज़ार रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन डी. आर. ओ. दफ्तर, लुधियाना के दो कर्मचारी सहित चार गिरफ़्तार

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - राज्य में भृष्टाचार ख़िलाफ़ शुरु की मुहिम के अंतर्गत पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने आज नेशनल हाईवेअ अथारटी आफ इंडिया (एन. एच. ए. आई.) की तरफ से एकवायर की गई ज़मीन का मुआवज़ा जारी करवाने बदले एक एन. आर. आई. से 30, 000 रुपए रिश्वत लेने के दोष में डी. आर. ओ दफ़्तर, लुधियाना में तैनात दो कर्मचारियों और दो प्राईवेट व्यक्तियों सहित चार व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया है। गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान पटवारी राम सिंह और क्लर्क नरेश कुमार, जोकि डी. आर. ओ. दफ्तर लुधियाना में तैनात हैं और सी. ई. आई. जी. ए. एल. एल. इंडिया लिमटिड दे दो कर्मचारियों लायज़निंग अफ़सर हरकीरत सिंह बेदी और तहेन्दर सिंह के तौर पर हुई है। बताने योग्य है कि सी. ई. आई. जी. ए. एल. एल. इंडिया लिमटिड का एन. एच. ए. आई. नाल कामकाज सम्बन्धित समझौता हुआ है। इस संबंधी जानकारी देते हुए विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इन मुलजिमों को एन. आर. आई. यादविंदर सिंह निवासी घवद्दी की शिकायत पर गिरफ़्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना रेंज में शिकायत दर्ज करवाई कि उस की 6 कनालें कृषि वाली ज़मीन दिल्ली- कटरा ऐक्सप्रैस हाईवेअ के लिए ऐकवायर की गई है, जिस का 49 लाख रुपए मुआवज़ा बनता है। उसकी तरफ से मुआवज़े सम्बन्धित फाइल 22 मई, 2023 को डी. आर. ओ. लुधियाना के दफ़्तर में जमा करवाई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि करीब एक महीना पहले एन. एच. ए. आई. ने ज़मीन की निशानदेही करके बुर्जियाँ लगानीं शुरू कर दीं और जब उसने ऐतराज़ करते पहले ज़मीन का मुआवज़ा जारी करने के लिए कहा तो एक जे. सी. बी. ड्राइवर ने उसे महिंद्र का नंबर दिया, जिसने मुआवज़े के लिए आगे हरकीरत बेदी के साथ संपर्क करने के लिए कहा। हरकीरत बेदी ने उसको डी. आर. ओ. कार्यालय से 2- 3 दिनों अंदर मुआवज़ा जारी करवाने का भरोसा दिया और कहा कि उसे 40, 000 रुपए देने पड़ेंगे जिस उपरांत सौदा 30, 000 रुपए में तय हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि प्राथमिक जांच के बाद विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने ट्रैप लगा कर साहनेवाल नज़दीक एक ढाबे में हरकीरत सिंह बेदी को सरकारी गवाहों की हाज़री में शिकायतकर्ता से 30, 000 रुपए रिश्वत लेते मौके पर काबू कर लिया। विजीलैंस ने मुलजिम के साथ आए तहेन्दर सिंह को भी गिरफ़्तार कर लिया है। मुलजिम हरकीरत बेदी के खुलासे पर विजीलैंस ने पटवारी राम सिंह और क्लर्क नरेश कुमार को भी फाइल कलियर करवाने बदले रिश्वत लेने के मामलो में मिलीभुगत के दोष में गिरफ़्तार किया है। फाइल कलियर करने के लिए दोनों मुलजिमों ने हरकीरत बेदी से 10- 10 हज़ार रुपए रिश्वत माँगी थी। ज़िक्रयोग्य है कि राम सिंह पटवारी 2020 में सेवामुक्त हो गया था और डी. आर. ओ. दफ्तर में 2020 से कंट्रैक्ट पर नौकरी कर रहा है। इस संबंधी थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना रेंज में भृष्टाचार रोकथाम कानून की अलग- धाराओं के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय: छात्राओं से पैर दबवाती हैं शिक्षिकाएं, इन्कार पर दी जाती है सजा

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- कस्बा गंगीरी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से पांच छात्राएं निकलकर घर पहुंच गईं और परिजनों से आरोप लगाया कि शिक्षिकाएं पैर दबवाने, कपड़े धुलवाने जैसे काम कराती हैं। इन्कार करने पर सजा देती हैं। छात्राओं के गायब होने से विद्यालय में हड़कंप मच गया। इनमें से चार छात्राओं को किसी तरह से समझाबुझाकर वापस विद्यालय ले जाया गया। एक छात्रा ने जाने से इन्कार कर दिया है। ये नगला हिमाचल, समेना, जिरौली और कसेर की रहने वाली हैं। इस मामले ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय की अव्यवस्थाओं को भी उजागर किया है। सुबह करीब चार बजे विद्यालय का गेट खुला हुआ था और यह उससे निकलकर पैदल ही सुबह करीब छह बजे अपने गांवों में पहुंच गई और परिजनों को पूरी जानकारी दी। सुबह स्कूल की शिक्षिकाओं पता चला तब सभी गांव में पहुंची और चार बच्चियों को माफी मांग कर अपने साथ बुला कर ले आई लेकिन गांव नगला हिमाचल निवासी छात्रा स्कूल नहीं आई। एक वीडियो में छात्रा आरोपों की पुष्टि कर रही है। इस छात्रा की मां सुखदेवी व पिता छोटेलाल ने इस पर नाराजगी जताई और इस मामले की शिकायत कर कार्रवाई कराने की बात कही है। इस संबंध में वार्डन से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन काल रिसीव नहीं की। एसडीएम अतरौली अनिल कटियार ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है, वह विद्यालय में जाकर पूरे मामले का पता करेंगे।

प्रतापगढ़ में बड़ा हादसा : टैंकर की चपेट में आने से टेंपो सवार नौ लोगों की मौत, कई की हालत नाजुक

प्रतापगढ़ के लीलापुर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। टैंकर की चपेट में आने से टैंपो में सवार नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है। लीलापुर के मोहनगंज बाजार में यह हादसा हुआ है। टेंपो सवारी भरकर प्रतापगढ़ की तरफ से जा रही थी और टैंकर मोहनगंज की तरफ से आ रहा था। तेज रफ्तार टैंकर टेंपो पर पलट गई। इससे टेंपो में सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसे के बाद टैंकर की गैस लीकेज हो गई। जिसके बाद रोड पर आवागमन बंद करवा दिया गया है। सुखपाल नगर में सवारी से भरे ऑटो रिक्शा पर टैंकर पलट गई, जिससे टेंपो में सवार कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दर्जन बर से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल प्रतापगढ़ लाया गया, जिसमें एक बच्चे सहित नौ लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। इसमें दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। कुछ देर में एक और घायल की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या नौ पहुंच गई। पांच मृतकों की पहचान की जा चुकी है। जिसमें अकबाल बहादुर सिंह पुत्र रामबरन सिंह (40) निवासी विक्रमपुर थाना लीलापुर, सतीश (35) पुत्र नेता निवासी भैरोपुर थाना कोतवाली नगर प्रतापगढ़, विमला (38) सतीश (40) आदि हैं।हादसे के बाद टैंकर

भी पलट गई टैंपो को टक्कर मारने के बाद टैंकर के चालक ने अपना संतुलन खो दिया। जिसके कारण टैंकर भी सड़क के किनारे पलट गया। भारत पेट्रोलियम के टैंकर से लीकेज शुरू हो गई। इससे अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सड़क को खाली कार दिया। नहीं हो सकी मृतकों की पहचान हादसे में मारे गए मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। वह कहां से आ रहे थे और कहां से जा रहे थे इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस उनकी शिनाख्त में जुटी हुई है। घायलों की हालत भी नाजुक होने के कारण भी पुलिस को मृतकों के बारे में जानकारी नहीं मिल पा रही है। मौके पर मची रही चीख पुकार घटना के बाद मौके पर हाहाकार मचा रहा। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। मृतकों की शिनाख्त करने में पुलिस जुट गई है। घटना को जिसने भी सुना वह स्तब्ध रह गया। हादसे में कई बच्चों के भी मारे जाने की सूचना है।

सनसनीखेज खुलासा: बदायूं में दुष्कर्म के बाद दो महिलाओं की हत्या, तालाब में फेंके शव; सात आरोपी गिरफ्तार

बदायूं में दो महिलाओं की हत्या के मामले में सोमवार को एसएसपी डॉ. ओपी सिंह ने खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि कोल्ड स्टोर में ही दोनों महिलाओं की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई थी। इसके बाद उनके शव तालाब में फेंके गए। बदायूं में दो महिलाओं की हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। दरिंदगी के बाद दोनों महिलाओं की हत्या की गई थी। कोल्ड स्टोर के तीन कर्मचारियों ने दोनों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी। अगले दिन दोनों के शवों को पन्नी में बांधकर कार से ले जाकर उसहैत इलाके में तालाब में फेंके दिए थे। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड के सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

तीन लोगों ने किया था दुष्कर्म

दो महिलाओं की हत्या के मामले में सोमवार को एसएसपी डॉ. ओपी सिंह ने खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि कोल्ड स्टोर में ही दोनों महिलाओं की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई थी। उनमें एक महिला के लेवर ठेकेदार इब्लेहसन उर्फ भर्रा से अवैध संबंध थे। वह एक महिला को कोल्ड स्टोर को ठंडा करने वाली मशीन के कमरे में बुलाकर ले गया था। उसी वक्त वहां दूसरी महिला भी पहुंच गई थी। जहां ठेकेदार इब्लेहसन उर्फ भर्रा, ऑपरेटर अजय शर्मा और मुकेश पाल ने दोनों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया।दुष्कर्म के बाद गला दबाकर दोनों महिलाओं की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने वारदात के बाद दोनों के शव कोल्ड स्टोर के टैंक में डाल दिए थे। अगले दिन सुबह चार जुलाई को कोल्ड स्टोर मालिक का बेटा मयूर गुप्ता, ऑपरेटर पप्पू, चौकीदार रामरतन और प्रदीप महिलाओं के शव कार की डिक्की में रखकर ले गए और उसहैत इलाके में फेंक आए। पुलिस ने सातों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पन्नी में बंधे मिले थे दोनों के शव

सिविल लाइंस और कोतवाली क्षेत्र की दो महिलाओं की हत्या करके उनके शव पन्नी में बांधकर उसहैत इलाके में फेंक दिए गए थे। चार जुलाई को उनके शव सड़क किनारे पड़े मिले थे। इसके अगले दिन उनकी पहचान हुई थी। तब से छानबीन में जुटी पुलिस ने कई सुबूत जुटाए। 25 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद इस हत्याकांड का खुलासा किया।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

पत्नी को बचाने में किसान की करंट से मौत

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ-गांव नगला ककरौआ निवासी किसान दंपती सुबह खेत पर काम करते समय पेड़ में करंट प्रवाहित होने से झुलस गए। पत्नी को बचाने में किसान की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव निवासी किसान ओमप्रकाश (48) पुत्र बाबूराम पत्नी गुड्डो देवी के साथ सुबह खेत में काम कर रहे थे। खेत के किनारे खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ को छूकर हाईटेंशन की लाइन गुजर रही है। काम करते समय अचानक गुड्डो देवी ने पेड़ को छू लिया। जिसमें करंट प्रवाहित होने से वह झुलस गईं। पत्नी को बचाने के प्रयास में ओमप्रकाश भी करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। आसपास के किसानों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। दंपती को उन्होंने अतरौली सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने ओमप्रकाश को मृत घोषित कर दिया। गुड्डो देवी का उपचार जारी है। ओमप्रकाश ने अपने पीछे तीन बेटे व तीन बेटियों को रोते बिलखते छोड़ा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विलय धाम मंदिर में हुआ विशाल भण्डारा, उमड़ी शिव भक्तों की भारी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।विलय ज्ञान धर्मार्थ संस्था द्वारा संचालित विलयधाम मंदिर में सावन के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों, कांवरियों,तथा आम जनमानस के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें काशीपुर, देहरादून, मुरादाबाद, कानपुर, नोएडा, कोलकाता, जयपुर, राजस्थान,पुणे, गाजियाबाद,दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद,आए विलय धाम मंदिर के सेवादारों ने भगवान शैलजा नारायण की स्तुति वन्दना कर भजन कीर्तन में हिस्सा लिया।तथा भण्डारे में सहयोग किया।इस मौके पर पर अध्यक्ष विजय अग्रवाल, प्रोफेसर मधुदीप, दिव्या,सुमित, सुधीर कुमार,पूनम कश्यप, सुषमा सक्सेना, विमलेश कुलश्रेष्ठ, रोहित कश्यप,देवेश वैश्य, अमरनाथ मल्होत्रा,नीरज चावला, राजेंद्र कुमार, ऋतुराज, वरूण गुप्ता,कुशल गुप्ता, मनोज शर्मा, दिव्यांशु वैश्य, सहित सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे।

Virat Kohli has a special connection with Rahul Dravid since 2011, the former captain revealed through his post

Virat Kohli Rahul Dravid Dominica Test Team India's former captain Virat Kohli has shared a special post with Rahul Dravid. India has to face the West Indies in the first match of the Test series from July 12 on the ground of Dominica. India played its last match on this ground in the year 2011. Dravid played as a player in this match and Virat was also a part of the team. Kohli shared a special post - In fact, the Indian team played its last Test match in Dominica in the year 2011. In that Test match, Rahul Dravid played as a player and Virat Kohli was also a part of the team. Reminiscing the memory of the same Test match, Kohli shared a picture with Dravid and wrote, "The two players who were part of the last Test match played in Dominica in 2011. Never thought that this journey would take us apart." Will bring back here with abilities. Will always be grateful."Test match in 2011 was a draw - The only Test match between India and West Indies played in Dominica in 2011 ended in a draw. Batting first, the Caribbean team scored 204 runs in the first innings. In response, the Indian team had put 347 runs on the score board. Virat Kohli was dismissed after scoring 30 runs. At the same time, Rahul Dravid contributed five runs in the first innings and 34 runs in the second. West Indies scored 322 runs in the second innings. In the fourth innings, the Indian team scored 94 runs losing 3 wickets and the match was a draw. The Indian team has reached Dominica to face West Indies in the first Test. The first Test match of the series is to start from 12 July. In the two-match Test series, the Indian team would like to forget the defeat in the WTC final by performing strongly. All eyes will also be on the performance of Virat Kohli, who has had an impressive record in the Caribbean country. Meanwhile, Virat has shared a special post on his Instagram account with Rahul Dravid, whose connection dates back to 2011.

Do you know the nicknames of Indian players including Dhoni, Kohli? For this reason these players are called by these names

Indian Cricketers Nick Name Surely you will know the Nick names of some players of the Indian cricket team. However, how did this nickname come about and what was the reason behind it, you might not have the answer. Dhoni is known by the nick name of Mahi. Whereas Virat Kohli's calling name is Chiku. Shikhar Dhawan is famous all over India by his Nick Name Gabbar. You must know the nicknames of some of the legendary players of Indian cricket. MS Dhoni is called by the name of Mahi, almost everyone knows this. However, what is the reason behind this, probably very few people have the answer. Today in this post, we will tell you the nickname of many star players of India and the reason behind it. Why is Dhoni called Mahi? MS Dhoni's nick name is Mahi and this is probably known to every fan who follows Indian cricket. However, very few people have the answer to how Dhoni got the name Mahi. Actually, Dhoni was called Mahiya in his childhood, which later changed to Mahi. What is Kohli's Nick Name? - Virat Kohli's Nick Name is Cheeku. Actually, Kohli used to be very healthy in his childhood and he used to keep his hair short. Along with this, Kohli's ears were also very big. For this reason, a coach named Kohli after Champak's character Cheeku. Why Jadeja is called Jaddu- Ravindra Jadeja is called by the nick name of Jaddu. Jadeja's nick name is linked to his sir name only. When Jadeja stepped into international cricket, he was given the nick name of Jaddu, which is still intact. Dhawan's nick name? Shikhar Dhawan is known by the nickname of Gabbar. This nickname was given to Dhawan by fans and former cricketers. Actually, Dhawan's Gabbar Nick Name was due to his celebration and his looks. Nick name of Rahane?- Ajinkya Rahane is known by the nick name of Ajju. Rahane was called by this name by his parents in his childhood. Later his wife also started calling Rahane Ajju and this became the permanent nick name of the Indian batsman. Rohit is called 'Shana' - a nick name of Rohit Sharma i.e. Hitman, you must know today, which has been given to him because of his stormy batting. However, the current captain of the Indian team has another nickname, which he got from Yuvraj. Actually, Yuvi used to call Rohit as 'Shana' and this hitman's name is quite famous in the Indian dressing room.

Gavaskar is unhappy with Rohit's captaincy, said- better was expected from him, questions should also be asked to Dravid

Gavaskar questioned Rohit's captaincy and said that he has not done justice to his reputation as the most successful captain in IPL. Indian cricket team veteran batsman Sunil Gavaskar is not happy with Rohit Sharma's captaincy and has said that They expect more from him. Rohit was made the captain of India in place of Virat Kohli. However, even after Rohit became the captain, the Indian team failed to qualify for the final of the T20 World Cup. At the same time, the team also had to face defeat from Australia in the World Test Championship (WTC) final. The team is on an ICC trophy drought for the last 10 years. In a recent interview, Gavaskar questioned Rohit's captaincy and said that he has not done justice to his reputation as the most successful captain in IPL. As captain in IPL, Rohit has won five titles with Mumbai Indians. He is jointly in the first place with Mahendra Singh Dhoni in this matter. Gavaskar has said that along with Rohit, head coach Rahul Dravid should also be asked. 'Rohit had more expectations' - Gavaskar said - I had more expectations from Rohit. Playing Test in India is a different thing, but when your test is overseas. You are praised for performing well there. The performance of Rohit's Team India overseas has been a bit disappointing. Even in T20 format, Rohit could not take the team to the final despite playing with the best players of IPL, which is along with Rohit' - Gavaskar also said that Rohit and accountable when it comes to high-profile defeats like the questions. Why did you do fielding first? Well it was clear why didn't you know about Travis Head's short ball had scored 80? As soon as Head came out to bat, Ricky throw a bouncer. Everyone knew about it, but we didn't get India the trophy in this year's World Cup. The ODI match will be played between England and New Zealand. 8 in Chennai. Whereas, the team's high voltage match The Indian team will play matches on nine grounds with Pakistan team will begin its campaign against the Rohit's captaincy and said that he has not done justice to Indian cricket team veteran batsman Sunil Gavaskar is said that They expect more from him. Rohit was made even after Rohit became the captain, the Indian team At the same time, the team also had to face defeat from

all the experience of IPL, hundreds as captain and disappointing. 'Questions should be asked to Dravid head coach Rahul Dravid should be held WTC final. Gavaskar said – He should be asked at toss, cloudy and all. The question then should be weakness? Why did you bowl a bouncer when he Ponting in the commentary box was telling him to try. Now the onus will be on Rohit and Dravid to World Cup will start from October 5. The first The Indian team will play its first match on October with Pakistan is in Ahmedabad on 15th October. different teams in the round robin format. The Netherlands on October 6.Gavaskar questioned his reputation as the most successful captain in IPL. not happy with Rohit Sharma's captaincy and has the captain of India in place of Virat Kohli. However, failed to qualify for the final of the T20 World Cup. Australia in the World Test Championship (WTC)

final. The team is on an ICC trophy drought for the last 10 years. In a recent interview, Gavaskar questioned Rohit's captaincy and said that he has not done justice to his reputation as the most successful captain in IPL. As captain in IPL, Rohit has won five titles with Mumbai Indians. He is jointly in the first place with Mahendra Singh Dhoni in this matter. Gavaskar has said that along with Rohit, head coach Rahul Dravid should also be asked. 'Rohit had more expectations' - Gavaskar said - I had more expectations from Rohit. Playing Test in India is a different thing, but when your test is overseas. You are praised for performing well there. The performance of Rohit's Team India overseas has been a bit disappointing. Even in T20 format, Rohit could not take the team to the final despite all the experience of IPL, hundreds as captain and playing with the best players of IPL, which is disappointing. 'Questions should be asked to Dravid along with Rohit' - Gavaskar also said that Rohit and head coach Rahul Dravid should be held accountable when it comes to high-profile defeats like the WTC final. Gavaskar said – He should be asked questions. Why did you do fielding first? Well it was clear at toss, cloudy and all. The question then should be why didn't you know about Travis Head's short ball weakness? Why did you bowl a bouncer when he had scored 80? As soon as Head came out to bat, Ricky Ponting in the commentary box was telling him to throw a bouncer. Everyone knew about it, but we didn't try. Now the onus will be on Rohit and Dravid to get India the trophy in this year's World Cup. The ODI World Cup will start from October 5. The first match will be played between England and New Zealand. The Indian team will play its first match on October 8 in Chennai. Whereas, the team's high voltage match with Pakistan is in Ahmedabad on 15th October. The Indian team will play matches on nine grounds with different teams in the round robin format. The Pakistan team will begin its campaign against the Netherlands on October 6.

Not Raveena, this Haseena was the heroine of 'Dulhe Raja', know the stories of Govinda-Kadar's film

25 Years Of Dulhe Raja Govinda Kader Khan and Raveena Tandon starrer blockbuster film Dulhe Raja completes 25 years today. This film was a superhit film of the 90s, watching each and every scene of which the audience got stomach ache with laughter. Let us tell you about some interesting stories related to the groom king. Govinda's 'Dulhe Raja' was one of

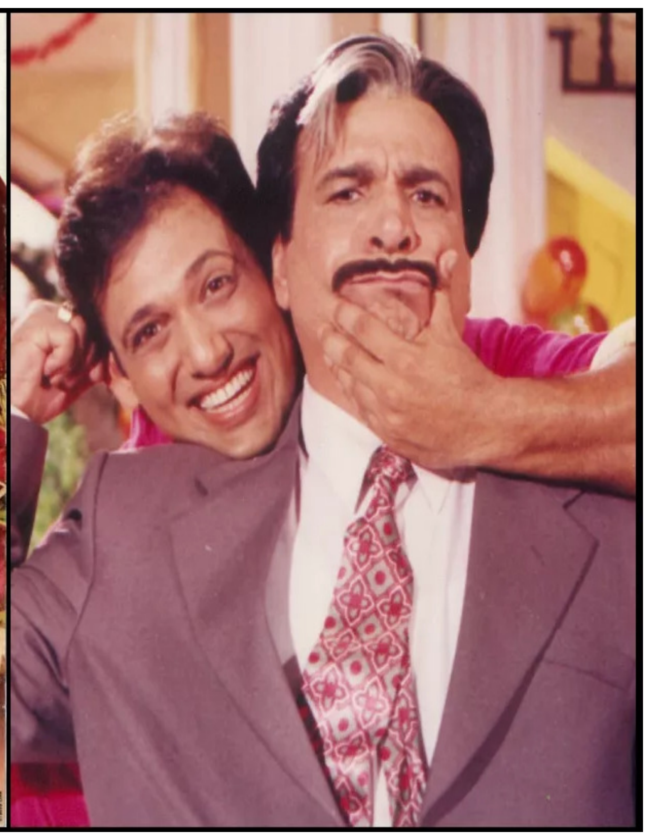

the best films of the 90s. This blockbuster film proved to be a milestone in Govinda's career. Be it Kader Khan, Raveena Tandon and Govinda's wonderful comic timing or songs like 'Ankhiyon se goli mare' and 'Suno sasur ji', 'Dulhe Raja' has enthralled the audience. I had left no stone unturned. Even today people watch this film with great interest. Released in theaters on July 10, 1998, 'Dulhe Raja' has completed 25 years today. Directed by Harmesh Malhotra, the film starred talented stars like Govinda, Raveena Tandon, Kader Khan, Johnny Liver, Prem Chopra, Mohnish Behl and Asrani. From start to finish, each and every scene of this movie had the audience in splits. This is the reason why even today when it comes to the best comedy films, the name of 'Dulhe Raja' is definitely included. Come, let us tell you about the interesting story related to 'Dulhe Raja'. This title of the film was before Dulhe Raja - The name of Kader Khan and Govinda's comedy film was not 'Dulhe Raja' earlier. Yes, earlier this film was named 'Tu Haseen Main Jawan'. Its title was changed at the last moment. Wasn't Raveena Tandon the first choice for Dulhe Raja? - Govinda and Raveena Tandon's pairing was a hit on the silver screen. Their pair was once again well liked in 'Dulhe Raja'. However, few people know that earlier Raveena Tandon did not get this role. She was not the first choice for the film. Before that, the film was offered to actress Mamta Kulkarni, but the actress turned down the movie. Dulhe Raja is Govinda's last solo hit! - Govinda has given many superhit films in his career, but 'Dulhe Raja' is considered to be his last solo hit film. The audience loved Kader Khan and Govinda's tongue-in-cheek comedy. All the songs of the movie 'Ankhiyon Se Goli Mare' - 'Dulhe Raja' proved to be superhits, but 'Ankhiyon Se Goli Mare' took the craze to the next level. This song was so liked at that time that director Harmesh made a film with the same name in 2002. Only Govinda, Kader Khan and Raveena Tandon were seen in the lead roles in the film. Remake of 'Dulhe Raja' - There used to be long queues outside the theaters to see Hindi cinema's blockbuster film 'Dulhe Raja'. This movie got so much accolades that a remake was also made on it. The 2001 Kannada film 'Sukradesh' is a remake of Govinda's film. Govinda's poster look was inspired by this singer - In a poster of 'Dulhe Raja', Govinda was seen wearing a lot of glasses. His look was inspired by famous singer and Beatles founder John Lennon. He was wearing 6 glasses in the poster. Will there be a sequel of 'Dulhe Raja'? - Last year news came that Shah Rukh Khan has bought the digital rights of the film 'Dulhe Raja'. Shah Rukh's production team is working on the film. According to media reports, the work of scripting and casting is going on.

Sara Ali Khan measures her success on three levels, the actress herself revealed

Everyone has different standards of success. There are three phases to success for film actress Sara Ali Khan. Recently she was seen talking about it. Not only this, Sara believes that her film 'Zara Hatke Zara Bachke', which released in June, has lived up to all the three steps she had set. What are these three dimensions of Sara's success? Sara Ali Khan measures success

on three levels- perceptional, mental and internal. Sara Ali Khan says that the film should collect well and the family should like our work, it is most important. Sara also said that she has given her 100 per cent to the film 'Zara Hatke Zara Bachke'. Talking about her parameters of success, Sara said, 'For me, there are three levels of success. One is conceptual success. Me and Vicky had said publicly that if the film earns 50 crores, we will be successful. But, with Touchwood, we made Rs 85 crore." Talking about the next measure of her success i.e. mental success, Sara said, "My mother and brother liked my work. I am proud of my work. Sara further said, 'You get inner success the day you know that you have given your hundred percent. Giving your 100 per cent every day is a success'. Sara said all these things during a conversation recently. When asked if he has achieved all the steps of his success through 'Zara Hatke Zara Bachke'? To this the actress said, 'Yes, of course.' Vicky Kaushal has been seen opposite Sara in 'Zara Hatke Zara Bachke' directed by Laxman Utekar. It is a family drama film which got good response from the audience.

These actresses are also fond of gardening, like to eat vegetables grown in the kitchen garden

Glitz and glamour, parties and fan following emerge first in our mind when we hear Bollywood, cinema. Bollywood celebs definitely do all this, but apart from this, they also pay a lot of attention to their hobbies and health. Celebs are also in discussion about their luxurious bungalow and many times they are seen gardening in their garden and spending moments of peace. There are celebs who love guarding, so let's tell you about them. Anushka Sharma- Anushka loves indoor garden. During the lockdown, Anushka shared a post on social media in which she was seen surrounded by lush green plants. Anushma has a lot of plants in her indoor garden which she calls buddies. Anushka Sharma likes gardening more than parties. Juhi Chawla-Juhi

Chawla is also very fond of gardening. Juhi is often seen growing vegetables like tomato, coriander, fenugreek in her garden. During the last lockdown, the actress shared a photo of the garden on social media and wrote that she is growing tomatoes, coriander and fenugreek. Preity Zinta-Bollywood's dimple girl Preity Zinta enjoys doing party farming. She has not forgotten India even after living abroad. He learned the basics of farming and gardening from his mother. Preeti also has an organic farm of her own, whose pictures she keeps sharing on social media as well. Shilpa Shetty-Shilpa Shetty is often in headlines on social media for her photos and videos. The actress once shared a photo of her kitchen garden on social media. In which she was seen showing lemon. Shilpa has planted fruits and vegetables in the kitchen garden of the house. Twinkle Khanna-Twinkle Khanna likes to spend her free time in the garden. The actress keeps sharing videos of the indoor garden on her Instagram page. During this, she made her fans aware of the flowers in the garden, Twinkle also told how you can convert any corner of your house into greenery.